Roll No. .....

एम.ए.एस.ए.-11 (एम.ए. संस्कृत)

द्वितीय वर्ष, सत्र- 2015

एम.ए.एस.ए.–06

नाटक तथा नाट्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं । (2×15=30)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

(क) लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते।
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।।

(ख) जनकानां रघूणां च, सम्बन्धः कस्य न प्रियः।
यत्र दाता ग्रहीता च, स्वयं कुशिकनन्दनः।।

(ग) नियोजय यथाधर्मं प्रियां त्वं धर्मचारिणीम्।

हिरण्मय्याः प्रतिकृतेः पुण्यां प्रकृतिमध्वरे।।

2. उत्तररामचरितम् नाटक के नायक राम के चरित्र का निरूपण कीजिए।

3. नाट्यकला की दृष्टि से उत्तररामचरितम् नाटक का मूल्यांकन कीजिए।

4. हर्ष का जीवन परिचय बताते हुए उनकी रचना 'रत्नावली' नाटिका पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(4×5=20)

1. उत्तररामचरितम् के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. रत्नावली नाटिका का संक्षेप में सारांश लिखिए।

3. 'एको रसः करुणः एव' कथन की सत्यता पर विचार कीजिए।

4. भवभूति की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

5. नायिका भेद बतलाते हुए उसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

6. नायक कितने प्रकार के होते हैं? किन्हीं दो का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

7. रस कितने प्रकार के होते हैं? श्रृंगार रस की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए।

8. धनञ्जय के 'दशरूपक' पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

सत्य/ असत्य लिखिए–

1. उत्तररामचरितम् के नायक राम नहीं हैं।
2. रत्नावली के रचनाकार कालिदास हैं।
3. उत्तररामचरितम् भवभूति की रचना है।
4. 'दशरूपक' भरतमुनि की रचना है।
5. रत्नावली एक नाटिका है।

सही विकल्प चुनिए–

6. श्रृंगार रस का स्थायी भाव है–

   (अ) उत्साह (ब) रति

   (स) निर्वेद (द) जुगुप्सा

7. भरतमुनि के अनुसार रसों की संख्या है–

   (अ) सात (ब) आठ

   (स) नौ (द) दस

8. भारतीय संस्कृति में पुरुषार्थों की संख्या है–

   (अ) तीन (ब) चार

   (स) पांच (द) छः

9. संचारी भावों की संख्या है–

(अ) तीस (ब) तैंतीस

(स) चालीस (द) अड़तीस

10. शान्त रस का स्थायी भाव है–

(अ) रति (ब) निर्वेद

(स) शोक (द) उत्साह